B.A.-I
Paper-II

Q. बंगलादेश की कृषि सम्पदा का वर्णन करें।
(Discuss the Agricultural Resources of Bangla Desh.)

→ बंगलादेश भारत का एक महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है। यह एक नवोदित राष्ट्र है। इसकी स्थापना 17 दिसम्बर 1971 को हुआ। इसके पहले यह पाकिस्तान का एक अंग था। यह भारतीय उप-महाद्वीप या दक्षिण एशिया का एक देश है।

बंगलादेश में भारतीय उप-महाद्वीप के सभी देशों की तुलना में कृषि का विशेष महत्व है। यहाँ के आर्थिक जीवन में कृषि का स्थान सर्वोपरि है। यहाँ पर 85% जनसंख्या कृषि एवं पशुपालन पर निर्भर है। बंगलादेश में कृषि-योग्य भूमि कुल क्षेत्रफल का दो-तिहाई है जो भारतीय उप-महाद्वीप में सर्वाधिक है। बंगलादेश का डेल्टाई भाग तथा निचली भूमि बहुत ही उपजाऊ है। इस देश की जलवायु भी ऐसी है कि यहाँ सालों भर कृषि कार्य किए जा सकते हैं। यहाँ कृषि के लिए 1 करोड़ 20 लाख हेक्टेअर भूमि उपलब्ध है। अधिकतर यहाँ आर्द्र फसलें उत्पन्न की जाती है। इन फसलों में चावल, जूट, चाय, गन्ना, फल तथा रबी की फसलें प्रमुख है। बंगलादेश की मैदानी भागों में साल में दो या तीन फसलें भी उत्पन्न की जाती है। अधिक वर्षा के क्षेत्रों में फसलों की सघनता अधिक मिलती है।

चावल :- बंगलादेश की सबसे प्रमुख फसल चावल है। देश के अधिकांश हिस्से में चावल पैदा किया जाता है। यह देश का सबसे प्रिय भोजन है। इस भोज्य पदार्थ को विभिन्न रूपों में सार्वजनिक त्योहारों में काम में लाया जाता है। यहाँ चावल से शराब भी बनाई जाती है। तथा छिलकों से तेल प्राप्त किया जाता है। बंगलादेश के कुल कृषि योग्य भूमि के लगभग 80% भाग पर चावल की खेती की जाती है। यहाँ वर्ष में दो या तीन फसलें पैदा की जाती है। 1981-82 में बंगलादेश ने 2.12 करोड़ टन चावल का उत्पादन किया। यहाँ जमुना तथा मेघना की घाटियों तथा दक्षिणी डेल्टा प्रदेश में चावल की सघन खेती की जाती है। डेल्टाओं में चावल की तीन तथा उत्तरी भाग में दो फसलें होती है।

बंगलादेश में चावल की प्रति हेक्टेयर उपज 2000 से 2200 Kgs. तक होती है। यह अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। इसकी उपज में तकनीकी सहयोग से वृद्धि की जा सकती है। यहाँ की बढ़ती हुई जनसंख्या को खिलाने के लिए इसकी उपज में वृद्धि करना बहुत ही आवश्यक है।

जूट :- जूट बंगलादेश का महत्वपूर्ण व्यापारिक फसल है यह चावल के बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण फसल है। जूट के उत्पादन में

बंगलादेश - भारत के बाद विश्व में प्रथम स्थान रखता है। यहाँ कुल कृषि भूमि के 10% भाग में जूट की खेती की जाती है। बढ़ती जनसंख्या के कारण इसके क्षेत्र में 10 से 12% की कमी आई है। यह बंगलादेश को कुल निर्यात किये जाने वाले वस्तुओं में 40% का हिस्सेदार है। इसका उत्पादन मुख्यतः डेल्टा एवं दलदली भूमि में होता है। यहाँ सफेद एवं उत्तम किस्म का जूट पैदा होता है। यहाँ का वार्षिक उत्पादन 7.5 लाख टन है बंगलादेश में जूट के महत्वपूर्ण उत्पादक क्षेत्र मैमनसिंह, ढाका, नारायणगंज, ~~[illegible]~~, देवरा सीराज, राजशाही, त्रिपुरा, एवं फरीदपुर जिले में होता है। बंगलादेश के कुल जूट उत्पादन के लगभग 80% भाग निर्यात कर दिया जाता है। जूट बंगलादेश का सबसे महत्वपूर्ण मुद्रा दायनी फसल है। इसकी सघनतम खेती मैमनसिंह जिले में होती है।

चाय :- बंगलादेश में चाय का उत्पादन पर्वतीय ढालों पर होती है। यहाँ चाय के कुल 130 बागान है जो सिलहट, चटगाँव, त्रिपुरा जिले में है। बंगलादेश में चाय का 80% उत्पादन सिलहट जिले से होता है। यहाँ चाय का उत्पादन 1981 में 45 हजार टन हुआ। यहाँ से चाय न्यूजीलैंड आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीय देशों को निर्यात होता है।

गन्ना :- गन्ना बंगलादेश में शक्कर प्राप्ति का मुख्य स्रोत है। यहाँ गन्ना का उत्पादन

प्रारंभ से ही गंगा घाटी में होता आ रहा है परंतु अब इस फसल का जूट एवं चावल से प्रतिस्पर्धा है। इसकी खेती मुख्य रूप से नदी घाटियों में की जाती है। ऐसे गन्ने का उत्पादन इस देश के लगभग सभी जिलों में होता है। इसकी खेती का मुख्य क्षेत्र मैमनसिंह, ढाका, होमापुर, रायपुर, दिनाजपुर तथा मेघना नदी की निम्न भूमि है। यहाँ समतल मैदानी भूमि, उपजाऊ मिट्टी, 250 cm अधिक वर्षा आदि सुविधाओं के कारण इसका उत्पादन होता है।

गेहूँ :- बंगलादेश की द० प० भाग इसकी खेती की जाती है। यहाँ गेहूँ के उत्पादन पर विशेष ध्यान नहीं किया जाता है। क्योंकि धान की तुलना में इसका उपयोग कम होता है।

फल :→ बंगलादेश फलों के उत्पादन में अग्रणी है यहाँ केला, आम, संतरा, अनन्नास, कटहल अंगूर, नींबू आदि होते हैं। नारियल का उत्पादन भी तटीय भागों में किया जाता है। केला यहाँ का सबसे महत्वपूर्ण फल है। यहाँ विश्व का 13% केला का उत्पादन करता है। यहाँ लंगड़ा, सिरोली एवं हापुर किस्म के आम पैदा किए जाते हैं। संतरा का उत्पादन मुख्य रूप से सिलहट जिले में होता है।

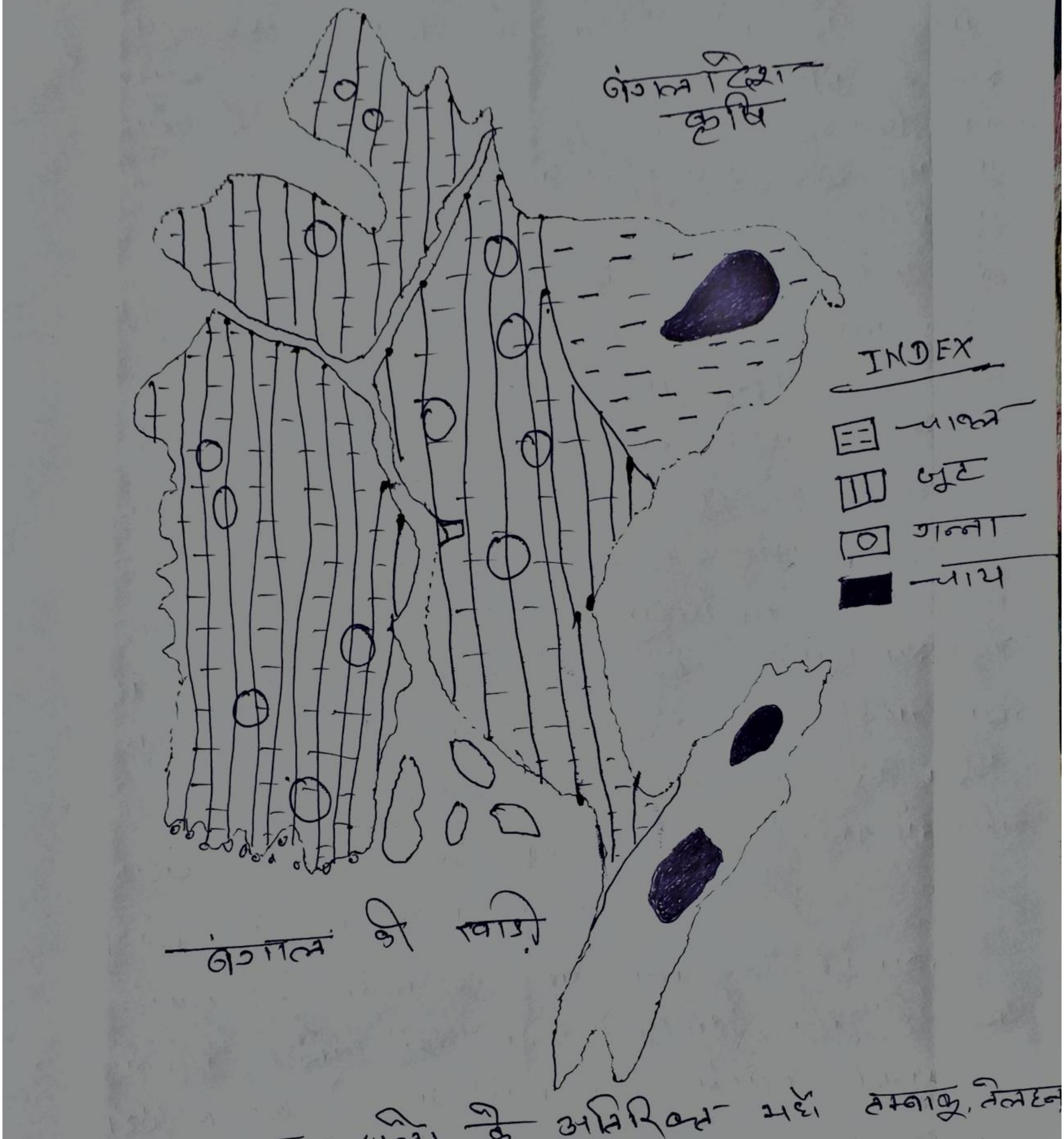

इन फसलों के अतिरिक्त यहाँ तम्बाकू, तेलहन, दालें तथा सब्जियाँ उत्पन्न की जाती है। यहाँ पान का भी उत्पादन किया जाता है। मछली पकड़ना भी यहाँ का प्रमुख व्यवसाय है। यहाँ का वार्षिक मछली का उत्पादन 8.5 लाख टन है। बंगलादेश में पशुपालन खेती के लिए, दूध तथा मांस के लिए होता है पर्वतीय भागों में भेड़ - बकरियाँ भी पाली जाती है।

Scanned by TapScanner